यूनविर्सल पोस्टल यूनयिन

हाल ही में केंद्रीय मंत्रमिण्डल ने 9-27 अगस्त, 2021 को आबदिजान (कोटे डी आइवर) में आयोजति यूनविर्सल पोस्टल यूनयिन की 27वीं कांग्रेस के दौरान हस्ताक्षरति संवधिान के ग्यारहवें अतरिक्ति प्रोटोकॉल में संपन्न संवधिान संशोधन के अनुमोदन को मंज़ूरी दे दी है।

अनुमोदन का महत्त्व:

- यह अनुमोदन भारत सरकार के डाक वभिाग को भारत के महामहमि राष्ट्रपति द्वारा हस्ताक्षरति "अनुमोदन के प्रपत्र" की प्राप्ति और इस प्रपत्र को यूनविर्सल पोस्टल यूनयिन केअंतर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय ब्यूरो के महानदिशक के पास जमा करने हेतु समर्थ बनाता है।
    - इसके अलावा यह यूपीयू संवधिान के अनुच्छेद 25 और 30 में वर्णति दायत्विों को पूरा करेगा जो सदस्य देशों द्वारा कसिी कांग्रेस द्वारा पारति कयि गए संवधिान में संशोधन के जल्द से जल्द अनुमोदन का प्रावधान करता है।
    - यह संसोधन कई लंबे समय से चली आ रही वसिंगतयिों को हल करेगा और **संधयिों के कानून पर वयिना अभसिमय, 1969** के अनुरूप अधनियिमों की स्वीकृति या अनुमोदन के प्रावधानों को समायोजति करेगा।
        - संधयिों के कानून पर वयिना अभसिमय, देशों **के बीच संधयिों को नयिंत्रति करने वाला एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता** जसिे संयुक्त राष्ट्र के अंतर्राष्ट्रीय वधिि आयोग द्वारा तैयार कयि गया था और 23 मई, 1969 को अपनाया गया था, तथा जो 27 जनवरी, 1980 को लागू हुआ।

यूनविर्सल पोस्टल यूनयिन

- इसका गठन वर्ष 1874 में कयि गया था और इसका मुख्यालय स्वज़िटरलैंड के बर्न में स्थति है।
- यह संयुक्त राष्ट्र (UN) की एक वशिेष एजेंसी है जो वशि्वव्यापी डाक प्रणाली के अलावा सदस्य देशों के बीच डाक नीतयिों का समन्वय करती है।
- **यह दुनयिा भर में दूसरा सबसे पुराना अंतर्राष्ट्रीय संगठन है।**
- इसकी चार इकाइयाँ नम्निलखिति हैं-
    - कॉन्ग्रेस।
    - प्रशासन परषिद।
    - अंतर्राष्ट्रीय ब्यूरो।
    - डाक संचालन परषिद।
- यह टेलीमैटक्सि और एक्सप्रेस मेल सर्वसि (EMS) सहकारी समतियिों की भी देखरेख करता है।
- **संयुक्त राष्ट्र संघ का कोई भी सदस्य देश UPU का सदस्य बन सकता है।**
- संयुक्त राष्ट्र का कोई भी गैर-सदस्य देश UPU का सदस्य बन सकता है बशर्ते कि उसका अनुरोध UPU के कम से कम दो-तहिाई सदस्य देशों द्वारा अनुमोदति हो।
- अपने 192 सदस्य देशों के साथ, संगठन सलाहकार, मध्यस्थता और संपर्क भूमकिा को पूरा करता है, और जहाँ आवश्यक हो वहाँ तकनीकी सहायता प्रदान करता है।
- संघ अंतर्राष्ट्रीय मेल वनिमिय के लयि नयिम नर्धिारति करता है एवं मेल, पार्सल और वत्तिीय सेवाओं की मात्रा में वृद्धि को प्रोत्साहति करने और ग्राहकों के लयि सेवा की गुणवत्ता में सुधार करने की सफिारशिें करता है।
- भारत वर्ष 1876 में UPU में शामलि हुआ।

स्रोत:पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/universal-postal-union-2